

Nagaland. How they hold consultation among the tribes concerned is a matter for them to decide.

**SHRI RANGA** : He has no imagination at all. A more satisfactory approach should be made.

**SHRI NATH PAI** : We are not against talks as such if and when they become necessary. But may we have a categorical assurance from the Prime Minister that no talks or no agreement will be entered into or arrived at with the so-called Naga rebels except with the full previous consent of the legitimate and lawful Government of Nagaland? We hear that talks are often initiated with Sukhai State or whatever group it may be. We are not against talks, but they must have the prior consent and sanction of the legitimate and lawful Government of Nagaland.

**THE PRIME MINISTER, MINISTER OF ATOMIC ENERGY AND MINISTER OF PLANNING (SHRIMATI INDIRA GANDHI)** : As Prof. Ranga is pointing out, this matter has been raised in the House of many occasions. There is absolutely no question of going behind the back of the Nagaland Government. I should also like to take this opportunity of adding to the answer to the previous question. We all know what a difficult and situation exists in Nagaland. If the Nagaland Government can get the support of any other group, I am sure they would welcome it and we would also welcome it.

**श्री कबंर लाल गुप्त** : अध्यक्ष महोदय, जो फ्रैंडरफ्राउन्ड नागाज है उस में अब अधिकांश रूप सुखायी ग्रुप का है। क्या यह सही है कि सुखायी ने अपनी इच्छा व्यक्त की है लिख कर के या किसी तरह से भी, प्रधान मंत्री के पास कि वह बातचीत करना चाहते हैं? क्या यह बात सही है तो सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है?

दूसरा मेरा सवाल यह है कि वहां पर कुछ पाबान्दियां हैं परमिट आदि की, उस को लिबरलाइज करने के लिए, ताकि यहां का ट्रेड कामर्स और इंडस्ट्री भारत के इस

हिस्से में भी जाय और वहां का यहां भी आए, इस के लिए सरकार क्या कर रही है?

**श्री विनेश सिंह** : जहां तक सुखायी का सवाल है, माननीय सदस्य ने जो कहा कि वह कुछ बातें करना चाहते हैं, वह बात ठीक है। वह कुछ बातें करना चाहते हैं और हम आम तौर से किसी से बातें करने से इनकार नहीं करते हैं। लेकिन आज नागालैंड की जो स्थिति है उस के हिसाब से हम नहीं समझते कि अभी हम को कोई बातें करनी हैं। नई सरकार अभी वहां आई है। सब से पहले तो उन को देखना है।

जहां तक दूसरा सवाल वहां उद्योग और वाणिज्य का है उस के लिए हम निरन्तर उस कोशिश में रहते हैं कि देश के और हिस्सों की तरह नागालैंड में भी उद्योग और वाणिज्य बढ़े और वहां की सरकार भी इस की कोशिश में है।

#### Supply of India-made Aircrafts to Afghanistan

\*183. **SARI N. R. LASKAR** :  
**SHRI NARAIN SWARUP**  
**SHAMA** :  
**SHRI RAM SWARUP**  
**VIDYARTHI** :  
**SHRI BHARAT SIGH**  
**CHAUHAN** :  
**SHRI BAL RAJ MADHOK** :  
**SHRI SHRI CHAND GOYAL** :  
**SHRI RANJIT SINGH** :  
**SHRI HARDAYAL DEVGUN** :  
**SHRI D. C. SHARMA** :  
**SHRI BENI SHANKER**  
**SHARMA** :

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Afghanistan has requested India to supply her Indian Aircrafts manufactured at Kanpur ;

(b) if so, the reaction of Government thereto ; and

(c) the time by which the aircrafts will be supplied and the mode of payment by Afghanistan ?

**THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI L.N. MISHRA)** : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Does not arise.

**SHRI N.R. LASKAR :** It is not a fact that the medium sized aircraft manufacturing unit at Kanpur is not utilising its full capacity because of there being no demand in the market and therefore it is facing a financial crisis? If that is so, I would like to know on what basis in 1959 production and the expected demand for this medium-sized aircraft was fixed at 150? May I also know what is the present demand and why is it that there is less demand at the moment?

**SHRI L. N. MISHRA :** It is not working under capacity. As a matter of fact we are not able to fulfil the demands and requirements of Indian Airlines and Indian Air Force. At the moment the demand from Indian Airlines is for about 23 aircraft. I do not want to disclose the demand from IAF.

**SHRI N. R. LASKAR :** In 1959 when they originally fixed the production target for this unit it was fixed at 150. I want to know what is the actual demand now.

**SHRI L. N. MISHRA :** I gave the demand of the Indian Airlines and about IAF I do not want to disclose.

**श्री नारायण स्वरूप शर्मा :** यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि क्या वहाँ पर जितनी प्रोडक्शन है होम कंजम्पशन में उसकी जरूरत नहीं है और इसीलिए वह एक्सपोर्ट किया जा रहा है ?

दूसरे, यह कि अफगानिस्तान उसका पैमेंट किस तरह करेगा ? रुपये में करेगा या अफगान मनी में करेगा ?

**श्री ल० ना० मिश्र :** एक्सपोर्ट करने का मवाल नहीं है। जैसा मैंने पहले कहा अफगानिस्तान से कोई मांग नहीं आई है फर्म ढंग से। एक एन्क्वायरी हुई थी उसकी सूचना हमने भेजी है और जहाँ तक देश की मांग का मवाल है काफी मांग है हमारे सामने और उसके लिए हम बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

**श्री राम स्वरूप विद्यार्थी :** मैं मननीय मंत्री से जानना चाहता हूँ कि अफगानिस्तान ने एच. एस. 748 की डिमांड की है और क्या यह सच है कि आपकी मिनिस्ट्री ने उनकी डिमांड का रूयाल रखते हुए भी प्रोडक्शन में कोई वृद्धि करने की चेष्टा नहीं की ? और वह यह भी चाहते थे कि बम्बई में, जो विमान यहाँ से दिए जायें उनकी मेन्टनेंस का प्रबन्ध हो तो उसके लिए भी आप ने इजाजत नहीं दी और इस वजह से वहाँ सप्लाई नहीं किया जा सका ?

**श्री ल० ना० मिश्र :** अफगानिस्तान सरकार तो नहीं अफगान एयर लाइन्स ने इन्डियन एयर लाइन्स के जरिए से एच. एस. 748 के बारे में सूचना मांगी थी कि किस प्रकार का जहाज है। हमने उनको आकड़े भेजे हैं नवम्बर 1968 में। उनके यहाँ से मांग नहीं आई है। मांग आयेगी तो विचार करेंगे कि देना है या नहीं देना है ?

**श्री राम स्वरूप विद्यार्थी :** मेंटनेंस के लिए कोई भगड़ा तो नहीं हुआ ?

**श्री ल० ना० मिश्र :** जी नहीं।

**श्री भारत सिंह चौहान :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि यह लड़ाकू विमान कानपुर में निर्मित हुए हैं। क्या वह लड़ाकू विमान के मानिन्द हैं और उनकी लात क्या आती है ? लड़ाकू विमान जो वायु सेना में उपयोग हो सकते हैं उनकी लागत कानपुर फैक्ट्री में क्या आती है ?

**श्री ल० ना० मिश्र :** एच. एस.-748 लड़ाकू जहाज नहीं है, वह ट्रान्स्पॉर्ट का जहाज है और इसको हम इन्डियन एयर लाइन्स को 83 लाख रुपये में बेचने हैं।

**SHRI BAL RAJ MADHOK :** Afganistan is a friendly neighbour of our country and Pakistan has been putting all kinds of restrictions and hurdles in the way of proper trade and other things which Afghanistan wants to have with India.

In view of that, Afghanistan has been trying to have better transport facilities with India and for that purpose it has also suggested that the Government of India should put at the disposal of the Afghanistan Government some more transport planes, or Indian transport planes should bring cargo also. I think this question or suggestion has come in that context, because the land route has been closed and they have to come all the way by sea. Therefore, if the government cannot at the moment provide any transport planes manufactured at Kanpur, will the Defence Ministry or Civil Aviation Ministry provide more planes to Afghanistan for the purpose of sending cargoes to India and getting cargoes from here so that the bottleneck that has come in the field of trade may be removed and Indo-Afghanistan relations may be further improved ?

**THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SWARAN SINGH) :** I agree that in view of our very friendly relations with Afghanistan we should do everything to help them. But the precise question here was about their desire to purchase transport planes manufactured here, and my colleague has answered that question. If there is any subsequent request by the Government of Afghanistan to help them by providing transport facilities, either by air or by any other means, I am sure we will give very favourable consideration to that.

**श्री श्रीचन्द्र गोयल :** अध्यक्ष महोदय, यह खुशी और गौरव की बात है कि आज हमें हमारे विमानों की दूसरे देशों में भी मांग होने लगी है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि क्या हम इस प्रकार की मांग के लिए और अबसर पैदा करेंगे और हमारा इस समय उत्पादन कितना है ? इसको बढ़ाने के लिए हमारी सरकार की तरफ से क्या पग उठाये जा रहा है ताकि हम विदेशों को अपने विमान बेच सकें और विदेशी मुद्रा अर्जित कर सकें ?

**श्री ल० ना० मिश्र :** कितना उत्पादन कर रहे हैं या बना रहे हैं यह तो हम नहीं

कहना चाहते हैं लेकिन जैसा मैंने कहा 23 विमान इन्डियन एयर लाइन्स को हमें देने हैं और काफी संख्या में इन्डियन एयर फोस को दिए हैं। अगले साल में हम अपनी क्षमता को ड्योढ़ी करना चाहते हैं।

**श्री हरदयाल देवगुण :** मैं यह जानना चाहता हूँ कि यदि अफगानिस्तान ने आर्डर दे दिया तो क्या कानपुर की फैक्ट्री में इतनी क्षमता है कि वह उसकी मांग को पूरा कर सके या इसके लिए हमें अपनी क्षमता बढ़ानी पड़ेगी ? वर्तमान में जो उत्पादन हो रहा है क्या वह अपने देश की जरूरत के मुताबिक है या उससे कम है या उससे ज्यादा है ?

**श्री ल० ना० मिश्र :** इस का उत्तर हम ने दिया है और फिर कहना चाहता हूँ कि अफगानिस्तान से अभी तक कोई मांग नहीं आई है। उनकी तरफ से कुछ एन्वयरी आई थी, उसकी सूचना हम ने भेजी है। मांग आएगी तो सोचेंगे कि देना है या नहीं देना है।

**Mazagon Docks Ltd., Bombay**

+

\*184. **SHRI K. LAKKAPPA :**  
**SHRI A. SREEDHARAN :**

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state :

(a) Whether Government have made the assessment of the working of the Mazagon Docks Ltd. during the last 5 years;

(b) if so, the nature of the irregularities found during the same period; and

(c) the nature of action taken in this regard ?

**THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI L.N. MILHNA) :** (a) to (c) : During the last 5 years the working of the Mazagon Dock Limited Bombay has been assessed periodically through various reports such